अथ अंगारक अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं महीसुताय नमः। ओं महाभागाय नमः। ओं मंगळाय नमः। ओं मंगळप्रदाय नमः। ओं महावीराय नमः। ओं महाशूराय नमः। ओं महाबल पराक्रमाय नमः। ओं महारौद्राय नमः। ओं महाभद्राय नमः। ओं महनीयाय नमः। ओं दयाकराय नमः। ओं मानदाय नमः। ओं अमर्षणाय नमः। ओं क्रूराय नमः। ओं तापपापवर्जिताय नमः। ओं सुप्रतीपाय नमः। ओं सुताम्राक्षाय नमः। ओं सुब्रह्मण्याय नमः। ओं सुखप्रदाय नमः। ओं वक्रस्तंभादि गमनाय नमः। ओं वरेण्याय नमः। ओं वरदाय नमः। ओं सुखिने नमः। ओं वीरभद्राय नमः। ओं विरूपाक्षाय नमः। ओं विदूरस्थाय नमः। ओं विभावसवे नमः। ओं नक्षत्रचक्रसंचारिणे नमः। ओं क्षत्रपाय नमः। ओं क्षात्रवर्जिताय नमः। ओं क्षयवृद्धि विनिर्मुक्ताय नमः। ओं क्षमायुक्ताय नमः। ओं विचक्षणाय नमः। ओं अक्षीणफलदाय नमः। ओं चक्षुर्गोचराय नमः। ओं शुभलक्षणाय नमः। ओं वीतरागाय नमः। ओं वीतभयाय नमः। ओं उज्वलाय नमः। ओं विश्वकारणाय नमः। ओं नक्षत्रराशिसंचाराय नमः। ओं नानाभयनिकृंतनाय नमः। ओं कमनीयाय नमः। ओं दयासाराय नमः। ओं कनत्कनकभूषणाय नमः। ओं भयघ्नाय नमः। ओं भव्यफलदाय नमः। ओं भक्ताभयवरदाय नमः। ओं शत्रुहंत्रे नमः। ओं शमोपेताय नमः। ओं शरणागतपोषणाय नमः। ओं साहसाय नमः। ओं सद्गुणाध्यक्षाय नमः। ओं साधवे नमः। ओं समरदुर्जयाय नमः। ओं दुष्टदूराय नमः। ओं शिष्टपूज्याय नमः। ओं सर्वकष्टनिवारकाय नमः। ओं दुश्चेष्टावारकाय नमः। ओं दुःखभंजनाय नमः। ओं दुर्धराय नमः। ओं हरये नमः। ओं दुःस्वप्नहंत्रे नमः। ओं दुर्धर्षाय नमः। ओं दुष्टगर्व विमोचकाय नमः। ओं भरद्वाज कुलोद्भवाय नमः। ओं भूसुताय नमः। ओं भव्यभूषणाय नमः। ओं रक्तांबराय नमः। ओं रक्तवपुषे नमः। ओं भक्तपालन तत्पराय नमः। ओं चतुर्भुजाय नमः। ओं गदाधारिणे नमः। ओं मेषवाहनाय नमः। ओं अमिताशनाय नमः। ओं शक्तिशूलधराय नमः। ओं शक्ताय नमः। ओं शस्त्रविद्या विशारदाय नमः। ओं तार्किकाय नमः। ओं तामसाधाराय नमः। ओं तपस्विने नमः। ओं ताम्रलोचनाय नमः। ओं तप्तकांचनसंकाशाय नमः। ओं रक्तकिंजल्कसन्निभाय नमः। ओं गोत्राधिदेवाय नमः। ओं गोमध्यचराय नमः। ओं गुणविभूषणाय नमः। ओं असृजे नमः। ओं अंगारकाय नमः। ओं अवंतीदेशाधीशाय नमः। ओं जनार्दनाय नमः। ओं सूर्ययाम्य प्रदेशस्थाय

नमः। ओं यौवनाय नमः। ओं याम्यदिङ्मुखाय नमः। ओं त्रिकोणमंडलगताय नमः। ओं त्रिदशाधिपसन्नुताय नमः। ओं शुचये नमः। ओं शुचिकराय नमः। ओं शूराय नमः। ओं शुचिवश्याय नमः। ओं शुभावहाय नमः। ओं मेषवृश्चिकराशीशाय नमः। ओं मेधाविने नमः। ओं मितभाषणाय नमः। ओं सुखप्रदाय नमः। ओं सुरूपाक्षाय नमः। ओं सर्वाभीष्टफलप्रदाय नमः। ओं श्रीमते नमः। ओं अंगारकाय नमः। इति अंगारकग्रहाष्टोत्तर शतनामावळिः॥

For Qualitative Predictions & Potential Remedies visit:
www.astrovidya.com

Click here to go back